



॥ श्री यमुना जी के प्रमुख मंत्र ॥
॥ ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं कालिन्द्यै देव्यै नमः ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्री यमुना जी के प्रमुख मंत्र ॥

1. मूल मंत्र

॥ ॐ यं यमुनायै नमः ॥

जप संख्या: 108 बार

फल: यमुना महारानी की कृपा, मन की शुद्धि एवं पापों का क्षय।

2. बीज मंत्र

॥ ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं कालिन्द्यै देव्यै नमः ॥

जप संख्या: 11, 21 या 108 माला (संकल्पानुसार)

फल: आध्यात्मिक उन्नति, सौभाग्य और श्रीकृष्ण भक्ति की प्राप्ति।

3. यमुना गायत्री मंत्र

॥ ॐ कालिन्द्यै च विद्महे

सूर्यपुत्र्यै धीमहि।

तन्नो यमुना प्रचोदयात्॥

अर्थ: हम सूर्यपुत्री माँ कालिन्दी (यमुना) का ध्यान करते हैं। वे हमारी बुद्धि को धर्म और भक्ति के मार्ग पर प्रेरित करें।

4. ध्यान मंत्र

नमामि यमुनामहं सकलसिद्धिहेतुं मुदा।

मुरारिपदपङ्कजस्फुरदमन्दरेणूत्कटाम्॥

यह श्री वल्लभाचार्य विरचित श्री यमुनाष्टकम् का प्रथम श्लोक है और यमुना जी के ध्यान के लिए अत्यंत प्रसिद्ध है।

जप-विधि

प्रातःकाल स्नान के बाद स्वच्छ वस्त्र धारण करें।

यमुना जी या श्री राधा-कृष्ण के चित्र के सामने दीपक और धूप जलाएँ।

यथाशक्ति जल, पुष्प और तुलसी अर्पित करें।
रुद्राक्ष, तुलसी या स्फटिक की माला से मंत्र का 108 बार जप करें।
जप के अंत में यमुना जी से क्षमा प्रार्थना और लोककल्याण की कामना करें।

मंत्र-जप का लाभ

मन, वाणी और कर्म की शुद्धि।
श्री राधा-कृष्ण की भक्ति में वृद्धि।
नकारात्मकता एवं पापों का क्षय।
परिवार में सुख, शांति और समृद्धि।
आध्यात्मिक उन्नति एवं अंतःकरण की पवित्रता।

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"